

डिसमिस हो गई। सुप्रीम कोर्ट में विभाग गया और सुप्रीम कोर्ट का उसमें यह फैसला हो गया कि येलो पेजेज को भी छाप सकता है। अब जब येलो पेजेज कोई भी छाप सकता है तो यह जाहिर है कि कंपनी को घाटा होता, इसलिए उसने आनाकानी की, लेकिन, अप्रैल, 1996 तक उसने यह नहीं कहा कि हम टायरेक्टरी नहीं छापेंगे। जब विभाग को यह मालूम हो गया कि यह आनाकानी ही कर रहा है तब जुलाई में उस करार को रद्द करना पड़ा और इनका करीब नौ/दस करोड़ रुपया जो उसका जमा हुआ था उसके जमा किया गया।

SHRI JOHN F. FERNANDES: Mr. Chairman, Sir, this problem is not confined to the main cities only where the telephones are run by the MTNL. It is the policy of the Government to privatise printing of telephone directories. Ever since the printing of telephone directory has been privatised, the standard of printing the telephone directory has gone down. All the names are misspelt. Even the abbreviations of the names of the Members of Parliament have been erased. As a result, the Department has no control over printing of telephone directories. Their main job is only to get advertisements. So, I want to know from the hon. Minister whether he would see to it that his Department maintains control over the private printing press; and also see that this contract is for a short-term instead of for five years or ten years, so that the standard of the directory is up to the mark.

श्री जेनी प्रसाद वर्मा: सभापति जी, माननीय सदस्य के सुझाव उचित हैं और उनको यथासमय लागू करने की कोशिश करेंगे, लेकिन 80 फीसदी जगहों में टायरेक्टरी छप रही है। कुछ जगह विभाग भी छपवा रहा है, लेकिन जो बड़े-बड़े शहर हैं वहां विभाग के पास इतना स्टाफ या उसको मैनेज करने के लिए जो जाते आवश्यक होती हैं वह शायद नहीं हैं, इसलिए बड़े शहरों में यह जो प्राइवेट कंपनी है यह विज्ञापन कलेक्ट करती है दूसरी कंपनियों से येलो पेजेज के लिए और उसके बाद उसे

छापती है। इसमें भी अब जब यह मामला सामने आया है तो इसमें सुधार के लिए या कठोरता लेने की कोई आवश्यकता होगी तो उसमें हमारी तरफ से कोई हिचक नहीं होगी।

#### Telephones out of order in Delhi

\*282. SHRI PARAG CHALIHA:  
SHRI RAGHAVJI:

Will the Minister of COMMUNICATIONS be pleased to state:

(a) whether it is a fact that thousands of telephones went out of order in May/ June 96 in Delhi and around;

(b) if so, the details of such telephones, exchange-wise;

(c) whether the so-called Monsoon Scheme for Cable Fault Status Information Service has since been put into action; and

(d) if so, the results thereof, and if not, the reasons therefor?

संचार मंत्री (श्री जेनी प्रसाद वर्मा): (क) कथित अवधि के दौरान एम-टी-एन-एल और अस पास के क्षेत्रों में टेलीफोनों में कोई बड़ी खराबी नहीं हुई है। तथापि, दोषों में कुछ वृद्धि हुई है।

(ख) मई और जून, 1996 के दौरान एक्सचेंजवार बुक की गई शिकायतों का ब्यौरा विवरण में दिया गया है। (नीचे देखिये)

(ग) केवल दोष स्थिति सूचना सेवा ने 30.6.1996 से काम करना शुरू कर दिया है। यह सेवा मानसून की अवधि तक के लिए है।

(घ) यह सेवा, ग्राहकों को उनके क्षेत्रों में केबल की खराबियों के बारे में सूचना देने तथा उन खराबियों को ठीक करने में लगने वाले संभावित समय की सूचना देने के लिए है।

† The Question has actually asked on the floor of the House by Shri Parag Chalika.

## विवरण

## एक्सचेंज-बार वर्क शेड (मई, 96 और जून, 96)

(क) दिल्ली			
क्र.सं.	एक्सचेंज	मिवल शेड	
		मई, 96	जून, 96
1.	जनपथ	1065	4863
2.	विद्यार्थी भवन	2237	6286
3.	राजपथ	2041	2126
4.	सेना भवन	3420	3857
5.	ओरवाग	11399	16105
6.	लोकेश्वरी रोड	744	787
7.	दिल्ली गेट	10995	10482
8.	ईदगाह	16931	19532
9.	जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय	1694	2178
10.	तीस हजारी	19684	22535
11.	लोकेश्वरी रोड	1575	2319
12.	शाहदरा	9533	12786
13.	लक्ष्मी नगर	26458	34497
14.	भयूर विहार-I	2966	4275
15.	भयूर विहार-II	1694	2382
16.	बमुना विहार	3654	4773
17.	कड़कड़पुरा	2626	3139
18.	शक्ति नगर	30119	31057
19.	बादली	1760	1912
20.	रोहणी-I	3706	4968
21.	रोहणी-II	4978	5051
22.	रोहणी-III	786	1208
23.	नरेला	2067	2787
24.	अस्तीपुर	1079	1346
25.	सरस्वती विहार	1655	4052
26.	काण्ठपुरी	11214	9966
27.	केलाकपुरा	4932	5359

क्र.सं.	एक्सपेंस	विवरण	
		मई, 96	जून, 96
28.	हौजबास	16464	16453
29.	छतरपुर	1786	2186
30.	वसन्त कुंज	3522	2926
31.	भीकाजी कामा प्लेस	6854	9601
32.	ओखला	11037	16147
33.	नेहरू प्लेस	20285	27350
34.	तेखण्ड	1621	1513
35.	तुगलकबाद	2410	2943
36.	सरीता विहार	1455	2367
37.	जनकपुरी	13849	18527
38.	नजफगढ़	2383	3465
39.	करोलबाग	25490	28090
40.	दिल्ली कैट	1130	1352
41.	शादीपुर	1964	2570
42.	इंदिरागांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट	240	346
43.	फाल्गु	269	383
44.	समलखा	819	760
45.	राजौरी गार्डन	25012	32651
46.	पश्चिमी विहार	5701	7464
47.	हरि नगर	7712	8350
48.	नंगलोई	1718	4120
		329507	410105
		मई, 1996	जून, 1996
(ख)	फरीदाबाद (गुडगांवों सहित)		
	1. फरीदाबाद	2747	3043
(सूत्र 21,22 और 23)			

2. फरीदाबाद (स्तर 25,26,27 और 29)	4362	6339
3. गुडगाँवा (स्तर 32,33,34 और 35)	4324	4196
4. अग्नीष (ग्रुप एक्सचेंज)	1718	2048
	13151	15626
(ग) गाजियाबाद (नौएडा सहित)		
1. गाजियाबाद	16608	17532
2. नौएडा	9155	9530
	25763	27062

SHRI PARAG CHALIHA: Mr. Chairman, Sir, I know that the Minister has started his journey only recently. I must commend that he has started his journey well with a hope. In the meanwhile, he has given hopes in our minds also particularly in the field of rectifying mistakes. But I do not understand how in his written reply, Statment-I he gave the number of net faults in May, 1996 as 3,29,507 and the number of net faults in June, 1996 as 4,10,105. It comes to more than 30 per cent. For the capital city of our country, this doesn't augur well. I hope the Minister would give a credence to all his efforts in mending the things. No doubt, he has taken up the expansion work in other areas, of course, even the neglected regions of the North-East, particularly, in Assam. I hope that he would take a special interest about that region.

But expansion has to be....

MR. CHAIRMAN: Please put a question.

SHRI PARAG CHALIHA: But expansion has to be equated with

consolidation, which perhaps is lacking in the present system. The other day the Minister stated about the correction of out-of-order telephones at the most within 48 hours. Sir, there are instances galore which can be cited where they have not been doing anything not only within 48 hours, but even after 48 days. It so happens in most cases that whenever a complaint about a particular number in a particular zone is given, the mechanical answer is that this number does not exist.

MR. CHAIRMAN: Please conclude.

SHRI PARAG CHALIHA: Sir, I would like to know from the hon. Minister as to what went wrong in the system last month, which converted his 48-hours assurance into almost a nullity. I say this because thousands of complaints remain just unattended for many weeks, more so in areas adjoining Delhi. Does he contemplate taking more effective steps to maintain the telephone services, particularly during the monsoon season, such that fault are repaired as early as possible?

MR. CHAIRMAN: You have taken so much time that a second supplementary may not be allowed. Please put your question.

SHRI PARAG CHALIHA: Sir, I am not well. So, I may be allowed some more time.

MR. CHAIRMAN: So, take less time.

SHRI PARAG CHALIHA: My first supplementary is whether any particular steps have been taken to mend the lacunae, which have been very badly affecting the telephone services in the capital.

श्री बेनी प्रसाद वर्मा: श्रीमान, हमारे आदरणीय सदस्य ने प्रारम्भ में हमारा जो उत्साहवर्धन किया, उसके लिए हम उनका आभार व्यक्त करते हैं। वह सही है कि इस समय दूर-संचार सेवाओं का विस्तार तेजी से हो रहा है और इसकी वजह से कुछ उपभोक्ताओं को परेशानियाँ हो रही हैं, हालाँकि पहले से उनमें वृद्धि नहीं हुई है। माननीय सदस्य ने यह पूछा था कि पिछले जून महीने में ही इतने ज्यादा केबल फॉल्ट कैसे हो गए — जून, जुलाई महीने में और अगस्त में भी और खास तौर से जून में जब पहली बरसात होती है तो केबल फॉल्ट की ज्यादा शिकायतें हर वर्ष क्यों आती हैं? हम इस संबंध में, जैसा माननीय सदस्य का सुझाव है, प्रयास कर रहे हैं आपने यह मान लिया कि हम अभी नए हैं इस विभाग के लिए और हम कोई टैक्नोक्रैट भी नहीं हैं। मिनिस्टर को टैक्नोक्रैट होना भी नहीं चाहिए, जनलिस्ट होना चाहिए। हमने आदेश दिए हैं कि 48 घंटे में जो केबल फॉल्ट हों उसको दूर किया जाए। ओ० बी० के बारे में और टेलीफोन के एक एक्सचेंज से दूसरे एक्सचेंज में या एक शहर से दूसरे एक्सचेंज में ट्रांसफर के बारे में भी हमने निर्देश दिए हैं और उसके बारे में हमने हफ्तावार मॉनिटरिंग की भी व्यवस्था की है और जैसा कि हमारे आदरणीय माननीय सदस्य का सुझाव है कि इस बारे में कोई सख्त उपाय किए जाएं। इस संबंध में मैं बताना चाहता हूँ कि हमने अभी विचार किया है कि अगर विभाग की लापरवाही दूर नहीं हुई और जहाँ तीन महीने तक कोई सुधार नहीं हुआ, वहाँ पर हम उनके कोरेक्टर-रोल में भी एंट्री पर विचार कर सकते हैं।

SHRI PARAG CHALIHA: My second supplementary, Sir.

MR. CHAIRMAN: Please make it short.

SHRI PARAG CHALIHA: Sir, I would like to know whether there is any mechanism or machinery to detect the fault of a particular fault-removing department?

MR. CHAIRMAN: Is there any way of detecting the fault at the fault-removing department?

श्री बेनी प्रसाद वर्मा: श्रीमान, हमने पहले ही कहा कि आई एम नॉट ए टैक्नोक्रैट, आप हमको इस तरह की जानकारी दीजिए, हम उस बारे में जानकारी करेंगे। लेकिन, श्रीमान, जहाँ पर केबल फॉल्ट होता है, जिसका टेलीफोन खराब होता है, इसमें वह भी व्यवस्था है कि उसके घर में एक कार्ड छोड़ दिया जाता है कि आपका केबल फॉल्ट के कारण टेलीफोन खराब है और एक नम्बर भी अलग से दिया गया है .... (व्यवधान)...

कुमारी सरोज खापरड्यो: वह कभी नहीं होता है।

श्री बेनी प्रसाद वर्मा: नहीं होता है? हम यह जानना चाहते हैं ... (व्यवधान)...

कुमारी सरोज खापरड्यो: मंत्री जी, आपको आपके विभाग ने गलत इनफॉर्मेशन दी हुई है। ... (व्यवधान)...

श्री सुरिन्दर कुमार सिंगला: एक टैक्नीकल आदमी को छोटा मिनिस्टर बना दीजिए। ... (व्यवधान)...

कुमारी सरोज खापरड्यो: यह गलत है... यह गलत है। ... (व्यवधान)...

श्री बेनी प्रसाद वर्मा: आपकी शिकायत को पूरी गंभीरता से लेते हुए हम इसको पूरी तरह से प्रभावही बनाने की कोशिश करेंगे। यह हमारा काम है। पूरी तरह से कोशिश करेंगे और अगर इसके लिए हमको कोई कठोर कदम उठान पड़ेगा तो वह भी आपकी राय से हम उठाएंगे।

श्री राधकजी: माननीय सभापति जी, टेलीफोन विभाग उपभोक्ताओं को सेवाएं देने के लिए होता है लेकिन पिछले कई वर्षों से यह अनुभव हो रहा है कि यह सेवाएं देने के बजाय तकलीफें ज्यादा दे रहा है। माननीय मंत्री जी ने, जो कि अभी नए हैं, अपने विभाग के अधिकारियों से पूछे बगैर ही कह दिया कि जो गड़बड़ियाँ होंगी, वह 48 घंटे में ठीक कर देंगे या जो फॉल्ट होंगे, उन्हें सुधार देंगे। 48 घंटे तो क्या, 48 दिन बीतने पर भी कई फॉल्ट अभी तक ठीक नहीं होते हैं।

अभी माननीय मंत्री जी बता रहे थे कि आपको कोई जानकारी लेनी हो टेलीफोन डायरेक्टरी के बारे में तो 197 पर रिंग कीजिए। जब 197 पर रिंग करते हैं तो पहले तो यह रिंगिंग रहता है या फिर उसे कोई उठाता ही नहीं है। अगर कोई उठा भी ले तो you are in queue लगातार आता रहेगा। हम टेलीफोन लगाए इंतज़ार करते रहते हैं और उस क्यू का कभी अंत ही नहीं होता है और मान लीजिए, अगर उठाकर कभी जवाब भी दिया तो इतना शोरगुल वहां पर होता है क्योंकि महिलाएं वहां होती हैं, इतनी बातचीत होती है तो वह समझ में ही नहीं आता है कि क्या हो रहा है? ... (व्यवधान)...

श्रीमती रेणुका चौधरी: क्या महिलाएं ही शोर मचाती हैं, आप लोग नहीं? ऐसा कैसे कह रहे हैं आप? We object to this remark. (Interruptions) आप इस को वापस लीजिए। ... (व्यवधान)...

श्री राधवजी: सभापति जी, आदरणीय महिला सदस्या को नाराज़ नहीं होना चाहिए। ... (व्यवधान)...

श्रीमती रेणुका चौधरी: आप लोग इस तरह की बात करते हैं। हम सब नहीं करेंगे। ... (व्यवधान)...

श्री राधवजी: माननीय सभापति जी, जो टेप बजते हैं, वे टेप भी ऐसे बजते हैं कि कह दिया कि आपने जो नंबर रिंग किया है, वह नंबर लिस्ट में नहीं है। ... (व्यवधान)...

श्रीमती रेणुका चौधरी: क्या सारी महिलाएं ही वहां पर हैं? वहां आदमी नहीं है। ... (व्यवधान)...

श्री राधवजी: वहां पर जो गड़बड़ियां होती हैं टेप के बार में, माननीय मंत्री जी को ऐसा अनुभव लेना चाहिए कि जितनी तरह की गड़बड़ियां होती हैं, उनको वे नोट कर लें या कभी सांसदों की बैठक का लें तो हम ... सकते हैं उन्हें कि इस तरह की गड़बड़ियां हो रही हैं। इस प्रश्न के उत्तर में माननीय मंत्री जी से मैं यह जानना चाहता हूँ कि ... (व्यवधान)...

MR. CHAIRMAN: What do you want the Minister to answer?

श्री राधवजी: माननीय मंत्री जी से यह जानना चाहता हूँ कि ... (व्यवधान) ... बोलने तो दें मझे दया।

MR. CHAIRMAN: Don't talk to the Member. Address the Chair.

श्री राधवजी: तो इस प्रश्न के उत्तर में मैं यह जानना चाहता हूँ कि यह जो सूची दी गई है, इसमें कई टेलीफोन एक्सचेंज ऐसे हैं जिनमें 25,000 से अधिक

फॉल्ट मई के महीने में हुए हैं और जून के महीने में इसमें 25 प्रतिशत की बढ़ोतरी हो गई है। तो ये 25,000 फॉल्ट आते हैं एक-एक महीने में एक-एक एक्सचेंज में तो उनको सुधारने के बारे में क्या कार्यवाही हो रही है और कितने फॉल्ट एक महीने में सुधार जाते हैं तीन दिन के अंदर या दो दिन के अंदर, यह माननीय मंत्री जी बताने का कष्ट करें।

श्री बेनी प्रसाद वर्मा: श्रीमान, पहले तो मैं माननीय सदस्य से यह अनुरोध करना चाहूंगा कि महिलाओं से ईर्ष्या न करे। महिलाएं पुरुषों से कई क्षेत्रों में ज्यादा इंटेलिजेंट सिद्ध होती हैं। हमारा भी अनुभव है। श्रीमान, हमने जब से ये निर्देश दिए हैं, हमें सुधार के ही समाचार मिल रहे हैं। यह सही है कि 30 प्रतिशत अभी केवल फॉल्ट 48 घंटे में नहीं दूर हो पा रहे हैं लेकिन हमारी सूचना के हिसाब से 7 डेज़ में 99 परसेंट केवल फॉल्ट ठीक हो जाते हैं। हमने पहले ही कहा कि हम सुधार करने का प्रयास कर रहे हैं और इस प्रयास में अगर कहीं हमारे विभाग की लापरवाही होगी तो हम कठोर कदम उठाने में भी हिचकेंगे नहीं। हमारे प्रयास में आप हमारा उत्साहवर्द्धन कीजिए, इस तरह से डिस्कोरेज न कीजिए और महिलाओं के बारे में अपनी राय को थोड़ा बदलिए।

SHRIMATI RENUKA CHOW-DHURY: Sir, the ordinary citizen does not have a very good opinion about the Telephone Department-

और यह मैं समझना चाह रही हूँ कि बार-बार केवल फॉल्ट क्यों हो जाती है? ऐसा नहीं कि हमारे देश में बारिश हो गई तो टेलीफोन बंद हो जाते हैं, हवा चल गई तो बिजली बंद हो जाती है। कहीं ऐसा तो नहीं कि केवल खरीदने में और केवल टैंडर के कॉन्ट्रैक्ट्स में कोई घोटाला होता है? ... (व्यवधान) ... आप रुकिए न, मुझे तो बोलने दीजिए अभी तो आप लोग हमारे खिलाफ बोल रहे थे।

श्री महेश्वर सिंह: हम तो आपका समर्थन कर रहे थे।

SHRIMATI RENUKA CHOW-DHURY: The other thing is, there is misuse of telephone lines by some operators who give telephone lines, STD and ISD connections....

दूसरों को, बिज़नेस फरवालों को, एक छोटे कंपनसेशन प्लैट फ़ीस के लिए इसके बारे में आप क्या कर रहे हैं?

श्री बेनी प्रसाद वर्मा: श्रीमन्, हमारी जानकारी के हिसाब से केबल की खराबी की वजह से केबल फॉल्ट नहीं होता है। उसमें थोड़ी गड़बड़ी कहीं होती है वह केबल डालने की प्रक्रिया की वजह से है। केबल डालने के जो मापदण्ड हैं, उन मापदण्डों के आधार पर ठीक से काम न किए जाने के कारण ऐसा होता है, यह हमने पता लगाया है। जैसे जितनी गहराई में केबल डालना चाहिए, उतनी गहराई में नहीं डाला जाता है या जहां जॉइंट्स होते हैं, वहां लाफ्टवाही की जाती है। इन सबके बारे में हमने अधिकारियों से विचार-विमर्श किया है। हम चाहेंगे कि यह सब खराबियां दूर हों। इस संबंध में धीरे-धीरे प्रयास किया जा सकता है और इस संबंध में आप जो भी सुझाव देंगे, उन्हें हम लागू करने की कोशिश करेंगे।

श्री विष्णु कान्त शास्त्री: सवाल का जवाब !  
...(व्यवधान)...

MR. CHAIRMAN: Shrimati Margaret Alva. (Interruptions). Shrimati Alva. I have called her.

श्रीमती रेणुका चौधरी: मेरे दूसरे प्रश्न का जवाब नहीं मिला है !

There are some operators who give STD and ISD connections. They misuse the line which results in some innocent consumers getting bills of multiple figures. This is not fair. And the Telephone Department goes and cuts off the telephones. The consumer is inconvenienced for the failure of the Department. What action can the Department take about it? What are you alarming to do?

श्री बेनी प्रसाद वर्मा: इस संबंध में जो शिकायतें माली हैं, उनकी जांच करवाई जाती है। कोई शिकायत अगर इस तरह की हो तो उसकी जांच हम करवा लेंगे।

कुछ इस तरह की शिकायतें हमको मिली हैं जिनकी जांच के आदेश दिये गये हैं।

SHRIMATI RENUKA CHOW-DHURY: There is evidence, not just in the Capital but in every big metro, that the ISD and STD lines are being misused. Is he aware of that.

MR. CHAIRMAN: Is there any answer regarding the misuse of lines?

MR. CHAIRMAN: Shrimati Margaret

श्री बेनी प्रसाद वर्मा: दुरुपयोग होता है, ऐसी जानकारी है।

श्री राघव जी: मंत्री जी बहुत जनरल जवाब दे रहे हैं।

श्री बेनी प्रसाद वर्मा: हम तैयार होकर आते हैं, आपकी तरह से नहीं बैठे हैं।

एक माननीय सदस्य: बहुत मजबूत मंत्री है।  
...(व्यवधान)...

श्री बेनी प्रसाद वर्मा: श्रीमन्, आईएसडी लाइनों के बारे में ऐसी जानकारी है कि उनका दुरुपयोग होता है। उसको इन्पूव करने के लिए, नियमों में कठोरता लाने के लिए और सजा बढ़ाने के लिए हम आज ही रूल्स में अमेंडमेंट के लिए टेबुल कर रहे हैं।

श्रीमती रेणुका चौधरी: कोई स्पेसिफिक केस आपको पता है?

श्री बेनी प्रसाद वर्मा: इस तरह की हमको शिकायतें मिली हैं, विभाग ने हमको बताया है।

श्रीमती रेणुका चौधरी: उसकी जांच कैसे करवाई?

श्री बेनी प्रसाद वर्मा: यहां पर कहना तो मुनासिब नहीं है, आप कहिए तो कह देते हैं। ... (व्यवधान) ...

श्री के.आर. मल्लिकानी: कहां कहना मुनासिब होगा? ... (व्यवधान) ...

श्री बेनी प्रसाद वर्मा: ज्यादातर शिकायतें हमको अमेरिका से मिली हैं। अमेरिका से यहां पर किसी नम्बर के लिए कह दिया जाता है। उसको डायल टोन दे दिया जाता है और यहां से बात की जाती है पर पेमेंट वहां पर होती है। उसको कड़ा बनाने के लिए, नियम में सजा का प्रावधान करने के लिए हम रूल्स में अमेंडमेंट कर रहे हैं।

श्री विष्णु कान्त शास्त्री: ऐसे कितने अधिकारियों को आपने दण्डित किया है और जिनका बिल ज्यादा आता है, उनको कैसे राहत दी जाएगी?  
Alva.

श्री बेनी प्रसाद वर्मा: महोदय, हम इस संबंध में गंभीर हैं। लेकिन आपका प्रश्न केबल फॉल्ट के बारे में था। उसका उत्तर हम पूरी तरह से देना चाहेंगे। इस बारे

में आप अलग से सवाल कर लीजिए। यह गंभीर मसला है। ... (व्यवधान) ... इस बात को हम जानते हैं लेकिन पूरी जानकारी के बाद ही हम यहाँ पर जवाब देना चाहेंगे। इसलिए हम आपसे अलग प्रश्न की अपेक्षा करते हैं। आप अलग से प्रश्न कर लीजिए, हम आपको सब जानकारी देंगे, उत्तर देंगे।

SHRIMATI MARGARET ALVA: Sir, if I may be permitted, though it is not my job to answer a question, the Minister is probably not yet aware that after this issue was raised in the House, a special cell of the CBI was created in the MTNL in Delhi to look into these unauthorised connections and the problems concerning them; a number of people were arrested as a consequence of that. The cell was created. Probably the Minister will come to know about it by and by. But, Sir, I would just like to ask of the hon. Minister about the problems which we face even with the question of reconnection to telephone lines. Sir, I have got with me a number of cases where arrears are paid and when they ask for the lines to be reconnected

“फाइल गुम हो गई”

they say

“फाइल गुम हो गई”।

means you have to pay in order that your telephone might become workable. Sir, the mamool is so much in Delhi

कि हमारे जो एम्पीज़ कनेक्शन हैं जो स्पेशल केटेगरी से दिए जाते हैं, इनको फाइनली कनेक्ट करना है रिसीवर तो लगा देते हैं लेकिन उसको कनेक्ट करने के लिए पैसा देना पड़ता है। दिल्ली में यह हालत है। बंगलौर में मुझे यह कहा कि तीन महीने लगाने में लगेंगे। जब मैंने किसी को दिल्ली फोन किया तो उसी शाम लगा दिया। पैसों के लिए दो महीने, तीन महीने तक लाइन का कनेक्शन नहीं देते हैं।

Sir, there is a big racket. I would beg of the hon. Minister to please look into this and see that the system which is prevailing—whenever they want money, they say, “File is lost!”—is set right.

मुझे

अभी कह दिया कि रि-कनेक्शन की फाइल गुम हो गई है। यह नई बनानी पड़ेगी, तो इस बारे में आप कहिए कि आप किस तरह से इसको ठीक करेंगे?

श्री बेनी प्रसाद वर्मा: श्रीमन्, भानुवीर सदस्या से मैं असहमत नहीं हूँ इस तरह की शिकायतें हमें भी मिलती

हैं। यह प्रश्न केवल केवल फ्लट के बारे में था। इसलिए हम पूरी जानकारी यहाँ पर पूरी जिम्मेदारी से नहीं दे सकते। यह हमें मालूम है कि सीबीआई की जाँच भी हुई थी, तमाम कनेक्शन डिस्कनेक्शन भी हुए थे, उनके पर्सिमेंट भी दिया गया था, लेकिन यह इस क्वेश्चन से संबंधित नहीं है। इसलिए हम पूरी जिम्मेदारी से इसका उत्तर यहाँ नहीं दे सकते हैं। हमने पहले ही कहा था कि इस संबंध में अलग से प्रश्न पूछ जायें तो हमको भी पूरी जानकारी हो जाएगी और आपके सुझाव भी आ जायेंगे। श्रीमन्, जो आप दूसरी बात कह रहे थे ... (व्यवधान) ...

SHRIMATI MARGARET ALVA:

Sir, telephone arc out of order in Delhi.

श्री बेनी प्रसाद वर्मा: आप पूरी बात सुन लीजिए। आप हमारा उत्तर सुन लीजिए ... (व्यवधान) ... जो आप कहते हैं यह शिकायतें हमको पहले से मिलती रही हैं और आज भी मिल रही हैं। इसलिए हम चाहेंगे कि नेताओं की एक बैठक बुलाकर के कि उसमें क्या प्रभावी उपाय किए जायें और उसमें क्या सजा का प्रावधान किया जाये, इस पर हम सब लोग विचार करें। हम चाहते हैं कि इसमें सुधार हो। इसके लिए सामाजिक वातावरण भी कितना दोषी है, समाज सुधार के लिए भी हमको शिकायतें मिलती हैं कि पैसा दे देते हैं तो टेलीफोन एक दिन में लगा देते हैं और पैसा नहीं देते हैं तो टेलीफोन नहीं लगाया ... (व्यवधान) ... हमारी पूरी बात सुन लीजिए। हम कहाँ छिपा रहे हैं इन चीजों को ... (व्यवधान) ...

THE LEADER OF OPPOSITION (SHRI SIKANDER BAKHT): Sir, what is it that he is talking about ... (interruptions) ... Nobody has asked a question about improving the social conditions. Administrative measures are to be taken.

MR. CHAIRMAN: Please give some more time to the Minister to reply.

श्री बेनी प्रसाद वर्मा: हम इन सब चीजों को ठीक करने के लिए अगर जरूरत पड़ी तो कानून में संशोधन करने के लिए और कड़ी से कड़ी सजा का प्रावधान करने के लिए तैयार हैं। ... (व्यवधान) ...

श्री सिकंदर बख्त: आई एम सॉरी, एडमिनिस्ट्रेटिव मेजर्स के इम्प्लीमेंटेशन की बात है, कानून बनाने की बात नहीं है। महकमे को सुधारने की बात है ... (व्यवधान) ...



الاشی سکندر بخت: ائی ایم سادری ایڈمنسٹریٹر  
 ممبرس کے امپلی میٹیشن کی بات ہے قانون  
 بنانے کی بات نہیں ہے۔ محکمہ کو سہولتوں  
 کی بات ہے۔۔۔ ”مداخلت“۔۔۔

श्री बेनी प्रसाद वर्मा: श्रीमन्, महकमें में सुधार हो रहा है और महकमें में सुधार के लिए हमको जो भी करना पड़ेगा, वह हम करेंगे। हम सिर्फ मंत्री बनकर आराम करने के लिए यहां नहीं आये हैं।

SHRIMATI MARGARET ALVA: The Minister's attitude is very strange.

#### Utilisation of Jute Cess Fund

\*283. SHRI MD. SALIM:

SHRI DIPANKAR MUKHERJEE:

Will the Minister of TEXTILES be pleased to state:

(a) the total amount of Jute Cess Fund collected during last three years; and

(b) the pattern of utilisation of this fund on R&D training and marketing?

THE MINISTER OF TEXTILES (SHRI R.L. JALAPPA): (a) and (b) A statement is laid on the Table of the House.

#### Statement

(a) The total amount of Jute Cess Fund collected during the last three years is as under:

Year (April-March) Cess Collected	
1993-94	Rs. 1737 lakhs
1994-95	Rs. 1692 lakhs
1995-96	Rs. 1254 lakhs

(b) The Jute Cess Fund is collected and credited to the Consolidated Fund of India. Every year, the Government releases funds to Jute Manufacture

Development Council (JMDC) which are utilised mainly towards Market Promotion activities. The JMDC utilises a part of the grant received towards Training and Development by allocating funds to the Institute of Jute Technology. Funding for Research and Development activities is not made from out of grants to JMDC. The year wise utilisation of grants towards Training and Marketing activities are as follows:

Year	Training Expenses	Promotional Expenses
1993-94	Rs. 22.50 lakhs	Rs. 1647.77 lakhs
1994-95	Rs. 30.00 lakhs	Rs. 1625.38 lakhs
1995-96	Rs. 33.75 lakhs	Rs. 2630.93 lakhs (including arrears)

SHRI MD. SALIM: Sir, there is no denial of the fact that the jute industry needs technological upgradation and upgradation of product for export. Sir, in the answer the Minister has said that the jute cess collected by the Government, as per the Act of 1983, is handed over mainly to the JMDC. In response to my question, the reply of the Minister is that out of Rs. 16 crores or Rs. 17 crores collected as cess, they are spending the money mainly to meet the expenses incurred on market promotional activities. In spite of all these efforts, even with the establishment of JMDC there is not much development of marketing. Sir, there is a need for providing R&D support and transfer of technology from the Indian Institute of Jute Technology to the industry.

The Government is not spending a single pie for the R&D sector. There is only lip service. I would like to know whether at least 50 per cent of the Jute Cess Fund would be utilised for manufacturing exportable jute products by using the expertise of the IJIRA. There is proven R&D work by the IJIRA. But there is no money. I would like to know whether the Government would spend some money from the Jute Cess Fund for R&D support and for

†) Transliteration in Arabic Script.